

समाहरणालय, पटना।

(शस्त्र शाखा)

फोन नं० 0612-2219545 (का०)

फैक्स नं०-0612-2218900

Email : dampatnaarmssection@gmail.com

dm-patna.bih@nic.in

21-05-2013

—: आदेश :—

विविध शस्त्र अनुज्ञप्ति वाद संख्या-9-798/2009 में आवेदक श्री हरेन्द्र कुमार, पिता-श्री विजय कुमार, सा०-द्वारा बी०के० ड्रग, एफ०-7, सर्वदा इनक्लेव, एस०पी० घास लेन, जी०एम०रोड, थाना-पीरबहोर, जिला-पटना, स्थायी पता- हाऊस नं०-47, ग्राम-उमानाथ, पो०+थाना-बाढ़, जिला-पटना से प्राप्त एक एन०पी०बोर रिवाल्वर/पिस्टल शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन-पत्र पर वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से सत्यापन प्रतिवेदन प्राप्त कर सुनवाई की गयी।

पूर्व निर्धारित तिथि दिनांक-21.05.2013 को सुनवाई की गयी। सुनवाई के क्रम में आवेदक के द्वारा उपस्थित होकर बताया गया कि गोविन्द मित्रा रोड में उनकी दवा दुकान है तथा उनकी वार्षिक आय लगभग-10-12 लाख रूपये प्रतिवर्ष है और उनके द्वारा जान-माल की सुरक्षा हेतु शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने का अनुरोध किया गया, परन्तु पूछने पर सुरक्षा भय के संबंध में कोई ठोस साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया।

वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से प्राप्त पत्रांक-922/गो०, दिनांक-08.05.2010 का अवलोकन किया गया। आवेदक के एन०पी०बोर रिवाल्वर/पिस्टल शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन को मात्र अग्रसारित किया गया है, कोई अनुशंसा अंकित नहीं की गयी है। पुलिस उपाधीक्षक, विधि-व्यवस्था, पटना के पत्रांक-56, दिनांक-24.04.2008 द्वारा आवेदक के आवेदित शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन पत्र थानाध्यक्ष द्वारा किये गये अग्रसारण एवं अनुशंसा के आलोक में मूल में संलग्न कर अग्रसारित एवं अनुशंसित किया गया है। थानाध्यक्ष, पीरबहोर द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि आवेदक व्यवसायी हैं, उनके जान-माल की सुरक्षा हेतु शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत की जा सकती है। लेकिन आवेदक को विशेष सुरक्षा भय होने के संबंध में कुछ भी प्रतिवेदित नहीं किया गया है। थानाध्यक्ष द्वारा जाँच प्रतिवेदन की कंडिका-10 के सभी बिन्दुओं पर नहीं प्रतिवेदित करने के बावजूद आवेदक को अनुज्ञप्ति निर्गत करने की अनुशंसा की गई है, लेकिन इसके लिए कोई कारण नहीं बताया गया है।

आवेदक के द्वारा अपने शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन पर कार्रवाई लंबित रहने के कारण माननीय उच्च न्यायालय, पटना में सी०डब्लू०जे०सी० सं०-1792/2013 दायर किया गया था, जिसमें माननीय न्यायालय के द्वारा दिनांक-19.01.2013 को आदेश पारित करते हुए आवेदक के शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन पर तीन माह के अन्दर विचार करते हुए अंतिम आदेश पारित करने का निदेश दिया गया है।

गृह मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संकल्प सं०-V-11016/16/2009, शस्त्र दिनांक-31.03.2010 की कंडिका-II में एन०पी०बोर शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने के संबंध में निदेश अंकित है, जो निम्नवत है :-

The arms licences for acquisition of NPB weapons are considered by the State Government/DM concerned. At present, there are no norms for grant of NPB weapons and some State Governments may be issuing arms licences liberally.

कंडिका-II की उप कंडिका-b तथा e निम्नवत है :-

b) No licence may be granted without police verification, which will include report on i) antecedents of the applicant, ii) assessment of the threat, iii) capability of the applicant to handle arms, and iv) any other information which the police authority might consider relevant for the grant or refusal of licence.

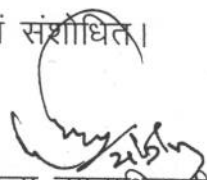
e) The licensing authority shall be obliged to take into account the report of police authorities called for under section 13 (2) before granting arms licenses and no arms licence may be issued without police verification.

वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से प्राप्त प्रतिवेदन, आवेदक द्वारा उपस्थित होकर रखे गये तथ्यों, गृह मंत्रालय; भारत सरकार के पत्र संकल्प सं०-V-11016/16/2009, शस्त्र दिनांक-31.03.2010 में निहित निदेश एवं अभिलेख में संलग्न कागजातों के सूक्ष्मता पूर्वक अवलोकन के पश्चात अधोहस्ताक्षरी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि आवेदक को सुरक्षा के बिन्दु पर कोई विशेष सुरक्षा भय/खतरा नहीं है तथा उन्हें एन०पी०बोर रिवाल्वर/पिस्टल हेतु शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत किए जाने का कोई यथेष्ट कारण नहीं है। साथ ही उल्लेखनीय है कि आवेदक की शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन को पूर्व में भी अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय के द्वारा सम्यक विचारोपरान्त अस्वीकृत किया जा चुका है और उसमें किसी प्रकार का संशोधन अपेक्षित प्रतीत नहीं होता है।

शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 13, शस्त्र नियम 1962 में निहित शक्तियों, वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से प्राप्त प्रतिवेदन, तथा गृह मंत्रालय; भारत सरकार के पत्र संकल्प सं०-V-11016/16/2009, शस्त्र दिनांक-31.03.2010 में निहित निर्देश के आलोक में सम्यक विचारोपरान्त आवेदक श्री हरेन्द्र कुमार, पिता-श्री विजय कुमार, सा०-द्वारा बी०के० ड्रग, एफ०-7, सर्वदा इनक्लेव, एस०पी० घास लेन, जी०एम०रोड, थाना- पीरबहोर, जिला- पटना, स्थायी पता-हाऊस नं०-47, ग्राम- उमानाथ, पो०+थाना- बाढ़, जिला- पटना के आवेदित एक एन०पी०बोर रिवाल्वर/ पिस्टल अनुज्ञप्ति आवेदन-पत्र को अस्वीकृत किया जाता है।

वाद की कार्रवाई समाप्त की जाती है।

लेखापित एवं संशोधित।


जिला दण्डाधिकारी,
पटना।


जिला दण्डाधिकारी,
पटना।